बी.कॉम (प्रोग्राम)

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ग)

BCOMMILHC01 सेमेस्टर-1

1. कबीर की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए|
2. कबीर का साहित्यिक परिचय दीजिए|
3. ‘कबीर का काव्य संत काव्य है’- कथन पर विचार कीजिए|
4. सूर की काव्य कला पर टिप्पणी लिखिए|
5. वात्सल्य और श्रृंगार की दृष्टि से सूर-काव्य का मूल्यांकन कीजिए|
6. सूर के पदों का सार लिखिए|
7. बिहारी के दोहों का प्रतिपाद्य कीजिए|
8. सतसई काव्य परंपरा में बिहारी का स्थान निर्धारित कीजिए|
9. ‘बिहारी ने गागर में सागर भर दिया है’| इस कथन पर विचार कीजिए|
10. बिहारी की काव्य भाषा के स्वरूप पर प्रकाश डालिए
11. रीतिमुक्त काव्यधारा में घनानंद का स्थान निर्धारण कीजिए|
12. घनानंद की काव्य भाषा पर टिप्पणी लिखिए|
13. घनानंद की कविताओं का प्रतिपाद्य कीजिए|
14. घनानंद का साहित्यिक परिचय दीजिए|
15. मैथिलीशरण गुप्त को ‘राष्ट्र कवि’ क्यों कहा जाता है|
16. गुप्त जी की कविताओं के प्रतिपाद्य का निरूपण कीजिए|
17. गुप्त जी की अभिव्यंजना शैली पर एक निबंध लिखिए|
18. ‘पुष्प की अभिलाषा’ की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए|
19. धूमिल का साहित्यिक परिचय दीजिए|
20. सुमित्रानंदन पंत की कविता में व्यक्त बालसुलभ क्रियाकलापों का वर्णन कीजिए|
21. ‘आः धरती कितना देती है’ कविता के संवेदना पक्ष की व्याख्या अपने शब्दों में कीजिए|
22. श्रम के महत्व की व्याख्या करते हुए जीवन का उद्देश्य ‘आः धरती कितना देती है’ कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए|
23. ‘आः धरती कितना देती है’ कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए|

24.टिप्पणी-

1. हिंदी का भौगोलिक विस्तार

2. छायावाद
3. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां
4. कृष्ण काव्य की प्रमुख विशेषताएं
5. द्विवेदी युगीन हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां
6. संत काव्य धारा